नई दिल्ली में 18वाँ G20 शिखर सम्मेलन

प्रिलिम्स के लिये:

[अफ्रीकी संघ](), **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, वित्तीय समावेशन दस्तावेज़, विश्व बैंक, भारत- मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, GE F-414 जेट इंजन, भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौता, G20**

मेन्स के लिये:

भारत की विदेश नीति में G20 का महत्त्व, भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले समूह तथा समझौते

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

नई दिल्ली, भारत में 9 और 10 सितंबर, 2023 को **18वें G20 शिखर सम्मेलन** का आयोजन किया गया। यह **पहला शिखर सम्मेलन था जब भारत ने G20 देशों के शिखर सम्मेलन की मेज़बानी की।**

- इस **शिखर सम्मेलन का विषय "वसुधैव कुटुंबकम"** था, जिसका अर्थ है **"विश्व एक परिवार है"**।
- G20 देशों की नई दिल्ली घोषणा में रूस-यूक्रेन तनाव से लेकर धारणीय विकास, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन शुरू करने जैसे विविध वैश्विक मुद्दों पर सर्वसम्मत सहमति बनी।

18वें G20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख निष्कर्ष:

- **अफ्रीकी संघ को स्वीकृति (अब G21):**
    - इस मंच में विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में **G20 देशों ने अफ्रीकी संघ (African Union- AU) को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने** का निर्णय लिया।
    - **अफ्रीकी संघ को G20 में शामिल किये जाने का प्रभाव:**
        - G20 में AU की सदस्यता वैश्विक व्यापार, वित्त और निवेश को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करती है तथा G20 के भीतर ग्लोबल साउथ के प्रतिनिधित्व में वृद्धि करने में अहम भूमिका अदा करेगी।
        - इससे G20 के भीतर अफ्रीकी संघ के हितों और दृष्टिकोणों पर विचार करना और उन पर ध्यान देना संभव हो सकेगा।
- **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (Global Biofuels Alliance- GBA):**
    - **परिचय:**
        - यह भारत के नेतृत्व में एक पहल है जिसका उद्देश्य **जैव ईंधन अपनाने को बढ़ावा देने के लिये सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तथा उद्योगों का गठबंधन सुनिश्चित** करना है।
        - इस पहल का लक्ष्य जैव ईंधन को **ऊर्जा संक्रमण** के एक प्रमुख घटक के रूप में **स्थापित करना तथा रोज़गार सृजन व आर्थिक विकास में योगदान देना** है।
        - यह भारत के मौजूदा **PM-JIWAN योजना, SATAT** और **GOBAR DHAN योजना जैसे** जैव ईंधन कार्यक्रमों को गति देने में मदद करेगा।
            - अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, शुद्ध शून्य लक्ष्य के परिणामस्वरूप वर्ष 2050 तक जैव ईंधन क्षमता में साढ़े तीन से पाँच गुना वृद्धि की जाएगी।
    - **गठन और संस्थापक सदस्य:**
        - इस गठबंधन की शुरुआत नौ आरंभिक सदस्य देशों; **भारत, अमेरिका, ब्राज़ील, अर्जेंटीना, बांग्लादेश, इटली, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात** के साथ की गई थी।
            - GBA के सदस्य देश जैव ईंधन के प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता हैं। इथेनॉल के **उत्पादन में** संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 52%, ब्राज़ील द्वारा 30% एवं भारत द्वारा 3% के साथ **लगभग 85%** के **योगदान के साथ** ही **इन्हीं देशों में इसकी लगभग 81% खपत होती** है।

- इसमें शामिल होने के लिये 19 देश और 12 अंतर्राष्ट्रीय संगठन पहले ही सहमति व्यक्त कर चुके हैं।
- **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन का समर्थन करने वाले देश जिन्हें G20 में आमंत्रित किया गया:**
    - बांग्लादेश, सिंगापुर, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात।
- **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के गैर-समर्थक देश:**
    - आइसलैंड, केन्या, गुयाना, पैराग्वे, सेशेल्स, श्रीलंका, युगांडा और फिनलैंड।
- **अंतर्राष्ट्रीय संगठन:**
    - विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, विश्व आर्थिक मंच, विश्व एलपीजी संगठन, संयुक्त राष्ट्र-सभी के लिये ऊर्जा, UNIDO, बायोफ्यूचर्स प्लेटफॉर्म, अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा मंच, अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी, विश्व बायोगैस एसोसिएशन।

- **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC):**
    - भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) की स्थापना के लिये भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, संयुक्त अरब अमीरात, फ्राँस, जर्मनी और इटली की सरकारों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
    - IMEC **वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिये साझेदारी** (Partnership for Global Infrastructure Investment- PGII) नामक एक व्यापक पहल का हिस्सा है।
        - PGII को सबसे पहले जून 2021 में ब्रिटेन में आयोजित **G7 शिखर सम्मेलन** के दौरान पेश किया गया था।
            - इसका लक्ष्य सार्वजनिक और निजी निवेश के संयोजन के माध्यम से **विकासशील देशों में बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को वित्तपोषित करना** है।
    - IMEC **भारत, मध्य-पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाली एक महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजना** है।
    - इस परियोजना का लक्ष्य **रेलवे और समुद्री मार्गों सहित परिवहन गलियारों का एक नेटवर्क स्थापित करना है।**
    - इसे **चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव** (BRI) की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाता है, यह एक वैकल्पिक बुनियादी ढाँचा नेटवर्क प्रदान करता है।

- **वित्तीय समावेशन दस्तावेज़ के लिये G20 ग्लोबल पार्टनरशिप:**
    - **विश्व बैंक** द्वारा तैयार **वित्तीय समावेशन दस्तावेज़** के लिये G20 ग्लोबल पार्टनरशिप ने केंद्र सरकार के तहत पिछले एक दशक में भारत के **डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI)** के **परिवर्तनकारी प्रभाव** की सराहना की है।
    - यह दस्तावेज़ निम्नलिखित पहलों पर बल देता है जिन्होंने DPI परिदृश्य को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाई:
        - **तीव्र वित्तीय समावेशन:**
            - भारत के DPI दृष्टिकोण ने **केवल 6 वर्षों में 47 वर्षों की वित्तीय समावेशन प्रगति** हासिल की।
            - **जन धन-आधार-मोबाइल (JAM) ट्रिनिटी** की सहायता से वित्तीय समावेशन दर को **वर्ष 2008 में 25% से बढ़ाकर 6 वर्षों के भीतर 80% से अधिक** किया गया।
            - विभिन्न विनियामक ढाँचे, राष्ट्रीय नीतियों और **आधार-आधारित सत्यापन ने DPI की स्थापना में अहम योगदान दिया।**
        - प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) **की सफलता:**
            - PMJDY खातों की संख्या **147.2 मिलियन (मार्च 2015) से तीन गुना बढ़कर 462 मिलियन (जून 2022)** हो गई।
            - **इनमें से 56% खाताधारक महिलाएँ हैं, अर्थात् इनकी संख्या 260 मिलियन से अधिक है।**
            - अप्रैल 2023 तक 12 मिलियन से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करते हुए PMJDY ने कम आय वाली महिलाओं की बचत को बढ़ावा दिया।
        - **सरकार से व्यक्ति (G2P) भुगतान:**
            - भारत के डिजिटल G2P आर्किटेक्चर ने **53 मंत्रालयों के 312 योजनाओं के माध्यम से लाभार्थियों को 361 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अंतरण** की सुविधा प्रदान की।
            - इसके माध्यम से **मार्च 2022 तक 33 बिलियन अमेरिकी डॉलर** की कुल बचत की गई, जो **GDP के 1.14% के बराबर** है।
        - एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) **के उपयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि:**
            - मई 2023 में **9.41 बिलियन से अधिक UPI लेन-देन हुए, जिनकी कीमत 14.89 ट्रिलियन रुपए** थी।
            - वित्त वर्ष 2022-23 में UPI लेन-देन **भारत की नॉमिनल GDP के 50%** के करीब पहुँच गया।
        - **निजी क्षेत्र की दक्षता:**
            - DPI ने जटिलता, लागत और समय को कम करते हुए निजी संगठनों के संचालन को सुव्यवस्थित किया।
            - कुछ NBFCs ने 8% अधिक SME ऋण रूपांतरण दर, मूल्यह्रास लागत में 65% बचत और धोखाधड़ी का पता लगाने में 66% लागत की कमी हासिल की।
            - **DPI उपयोग के साथ भारत में बैंकों की ग्राहक ऑनबोर्डिंग लागत 23 अमेरिकी डॉलर से घटकर 0.1 अमेरिकी डॉलर हो गई।**
        - **KYC की अनुपालन लागत में कमी:**
            - अनुपालन लागत को 0.12 अमेरिकी डॉलर से घटाकर 0.06 अमेरिकी डॉलर किये जाने से कम आय वाले ग्राहक अधिक आकर्षित हुए।
        - **सीमा पार भुगतान:**
            - UPI-PayNow लिंकेज के कारण सिंगापुर के साथ सीमा पार से त्वरित और सस्ते भुगतान सुनिश्चित हुए।
        - **अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क:**
            - 13.46 मिलियन सहमति के साथ डेटा साझा करने के लिये 1.13 बिलियन खातों को सक्षम किया गया।
        - डेटा एम्पावरमेंट एंड प्रोटेक्शन आर्किटेक्चर (DEPA)**:**

    - यह व्यक्तियों को उनके डेटा पर नयिंत्रण प्रदान करता है, नवाचार और प्रतस्पि‍र्द्धा को बढ़ावा देता है।

G20 शखिर सम्मेलन 2023 की अन्य मुख्य वशिषताएँ:

- **वर्ष 2030 तक वैश्वकि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करना:**
    - G20 देशों ने **वर्ष 2030 तक वैश्वकि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने** की दशिा में काम करने का वादा कयिा।
        - **अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA)** के एक आकलन के अनुसार, यद‍ि इस लक्ष्य को पूरा कयिा जाता है तो**वर्ष 2030 तक सात अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन** से बचा जा सकता है।
        - **यह ग्लोबल वार्मगि को 1.5 डग्रिी सेल्सयिस तक सीमति करने के वैश्वकि प्रयासों** के अनुरूप है।
    - यह **जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ ऊर्जा वकिल्पों की ओर** एक महत्त्वपूर्ण संक्रमण का प्रतनिधित्वि करता है।
    - यह घोषणा स्वीकार करती है क‍ि वर्तमान जलवायु कार्रवाई अपर्याप्त है और **पेरसि समझौते के उद्देश्यों** को प्राप्त करने के लिये खरबों डॉलर के वत्तिीय परव्यिय की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।
    - नर्दिष्ट पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का वस्तिार करने से वर्ष 2023 और वर्ष 2030 के बीच लगभग 7 बलियिन टन CO_2 उत्सर्जन से बचा जा सकता है।
- **वैश्वकि खाद्य सुरक्षा और पोषण के प्रत‍ि प्रतबिद्धता:**
    - G20 के नेतृत्वकर्ता **खाद्य और ऊर्जा की कीमतों सहति बढ़ती कमोडटिी कीमतों,** जो **जीवन-यापन के दबाव** में योगदान करते हैं, का समाधान करने के महत्त्व को समझते हैं।
    - वैश्वकि चुनौतियाँ कमज़ोर समूहों, वशिषकर महलिाओं और बच्चों को प्रतकिूल रूप से प्रभावति करती हैं, इसलिये उनका लक्ष्य**भुखमरी और कुपोषण का उन्मूलन करना** है।
    - G20 घोषणापत्र में मानवीय पीड़ा और **यूक्रेन युद्ध के चलते वैश्वकि खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा,** आपूर्त‍ि शृंखला, मुद्रास्फीत‍ि तथा आर्थकि स्थरिता पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है।
    - G20 देशों ने **ब्लैक सी ग्रेन पहल** के **समयबद्ध और** पूर्ण **कार्यान्वयन** का आह्वान कयिा।
    - **G20 की अध्यक्षता के दौरान कृष‍ि कार्य समूह ने दो पहलुओं पर ऐतहिासकि सहमत‍ि प्राप्त की: खाद्य सुरक्षा और पोषण पर दक्कन G20 उच्च-स्तरीय सद्धिांत और महर्ष‍ि (MAHARISHI) नामक कदन्न पहल।**
        - खाद्य सुरक्षा और पोषण पर उच्च-स्तरीय सद्धिांतों के तहत सात सद्धिांतों के अंतर्गत**मानवीय सहायता, खाद्य उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा नेट कार्यक्रम, जलवायु-स्मार्ट दृष्टकिोण, कृष‍ि खाद्य प्रणालयिों की समावेशता, एक स्वास्थ्य दृष्टकिोण, कृष‍ि क्षेत्र का डजिटिलीकरण तथा कृष‍ि में ज़मि्मेदार सार्वजनकि व नजी नविेश को बढ़ाना शामलि हैं।**
        - **महर्ष‍ि (कदन्न और अन्य प्राचीन अनाज पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल) का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष 2023 और उसके बाद के वर्षों के दौरान अनुसंधान सहयोग को बढ़ाना तथा कदन्न एवं अन्य प्राचीन अनाज के वषिय में जागरूकता उत्पन्न करना है।**
    - G20 कृष‍ि, खाद्य और उर्वरक में पारदर्शी, नष्पिक्ष और नयिम-आधारति व्यापार को बढ़ावा देने के लिये प्रतबिद्ध है। उन्होंने नर्यिात प्रतबिंध नहीं लगाने, बाज़ार की वकिृतियों को कम करने और WTO नयिमों के साथ तालमेल बठिाने की प्रतज्ञिा की।
    - G20 देशों ने पारदर्शता में वृद्ध‍ि करने के लिये**कृष‍ि कदन्न सूचना प्रणाली (AMIS)** और **पृथ्वी अवलोकन वैश्वकि कृष‍ि नगिरानी समूह (GEOGLAM)** को मज़बूत करने के महत्त्व पर ज़ोर दयिा।
        - इसके अंतर्गत वनस्पत‍ि तेलों को शामलि करने के लिये AMIS का वस्तिार करना और खाद्य कीमतों में अस्थरिता से बचने हेतु प्रारंभकि चेतावनी प्रणालयिों के साथ सहयोग बढ़ाना शामलि है।
- **नोट:**
    - AMIS **खाद्य बाज़ार पारदर्शता और खाद्य सुरक्षा के लिये नीत‍ि प्रतकि्रयिा को बढ़ाने हेतु** एक अंतर-एजेंसी मंच है।
        - इसकी शुरुआत वर्ष **2007-08 और 2010 में वैश्वकि खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी के बाद G20 के कृष‍ि मंत्रयिों द्वारा वर्ष 2011** में की गई थी।
    - GEOGLAM **पूरे वश्वि में समय पर कृष‍ि संबंधी सूचना प्रदान करके बाज़ार पारदर्शता और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाता है।**
        - वर्ष 2011 में फ्राँसीसी G20 अध्यक्षता के दौरान बीस (G20) कृष‍ि मंत्रयिों ने GEOGLAM नीत‍ि अधदिेश का समर्थन कयिा था।
- **छोटे हथयिार और आतंकवादयिों के सुरक्षति ठकिाने:**
    - वर्ष 2023 की नई दल्लिी घोषणा पछिली G20 घोषणाओं, वशिेष रूप से **वर्ष 2015 के तुर्कयि घोषणा,** पर आधारति है, जसिमें आतंकवाद की कड़ी नदिा की गई थी। **वर्ष 2022 के G20 बाली नेतृत्वकर्ताओं की घोषणा** (जो मुख्य रूप से आतंकवाद के वत्तिपोषण और**वत्तिीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)** को मज़बूत करने पर केंद्रति थी) के वपिरीत नई दल्लिी घोषणा में**आतंकवाद से संबंधति वभिन्नि चताएँ शामलि हैं।**
    - **नई दल्लिी घोषणा में G20 देशों ने स्पष्ट रूप से आतंकवाद के सभी रूपों और अभव्यिक्तयिों की नदिा की है।**
    - यह घोषणापत्र वैश्वकि परसिंपत्त‍ि पुनर्प्राप्त‍ि नेटवर्क को बढ़ाने और आपराधकि गतवििधियों से अर्जति धन की रकिवरी के लिये FATF के प्रयासों का समर्थन करता है।
- **स्वास्थ्य देखभाल में लचीलापन और अनुसंधान:**
    - G20 नई दल्लिी नेतृत्वकर्ताओं की घोषणा में स्वास्थ्य देखभाल पर काफी बल दयिा गया है और एक लचीली स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के नर्माण की आवश्यकता को प्राथमकिता दी गई है।
    - यह अधकि **लचीला, न्यायसंगत, सतत् और समावेशी स्वास्थ्य प्रणाली** बनाने के लिये वैश्वकि स्वास्थ्य व्यवस्था को मज़बूत करने हेतु

प्रतिबद्ध है। इस प्रयास में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की केंद्रीय भूमिका है।
    - इसका लक्ष्य **आगामी दो से तीन वर्षों के अंदर** प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यबल और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को **महामारी से पहले के** स्तर से बेहतर स्तर तक बढ़ाना है।
    - तपेदिक और AIDS जैसी मौजूदा महामारियों का समाधान करने के अतिरिक्त G20 **विस्तारित कोविड पर शोध के महत्त्व को** रेखांकित करता है।
    - भारत की G20 अध्यक्षता ने **आधुनिक चिकित्सा के साथ साक्ष्य-आधारित** पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के एकीकरण पर भी ज़ोर दिया।
    - इसमें **वन हेल्थ दृष्टिकोण** (जो रोगाणुरोधी प्रतिरोध से निपटने पर विशेष ध्यान देने के साथ**एक ही तंत्र के अंदर पशुओं, पादपों और मनुष्यों में बीमारियों को** ट्रैक करता है) अपनाने पर ज़ोर दिया गया है।
- **वित्त ट्रैक (Finance Track) समझौते**:
    - **भारत की G-20 की अध्यक्षता ने** क्रिप्टोकरेंसी **के लिये एक समन्वित और व्यापक नीति एवं नियामक ढाँचे की नींव रखी है।**
    - इसमें क्रिप्टो परिसंपत्ति विनियमन हेतु वैश्विक सहमति पर ज़ोर दिया गया।
    - G-20 देशों ने विश्व स्तर पर उच्च विकासात्मक मांगों को पूरा करने के लिये अधिक मज़बूत और प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों (MDB) की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया।
    - वित्तीय समावेशन के लिये डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के इंडिया स्टैक मॉडल को एक आशाजनक दृष्टिकोण के रूप में स्वीकार किया गया है।
    - G-20 देशों की नई दिल्ली घोषणा क्रिप्टो-परिसंपत्ति पारिस्थितिकी तंत्र के तेज़ी से विकास से जुड़े जोखिमों की निगरानी पर ज़ोर देती है।
- **भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौता (Preferential Trade Agreement):**
    - भारत और ब्राज़ील ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिये **भारत-मर्कोसुर PTA** के विस्तार हेतु मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई है।
        - **मर्कोसुर लैटिन अमेरिका में एक व्यापारिक समूह है, जिसमें ब्राज़ील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे शामिल हैं।**
    - भारत-मर्कोसुर PTA 1 जून, 2009 को प्रभाव में आया, इसका उद्देश्य उन चुनिंदा वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म करना था जिन पर भारत और मर्कोसुर ब्लॉक के बीच सहमति बनी थी।
- **जलवायु वित्तपोषण प्रतिबद्धता:**
    - इस घोषणापत्र में जलवायु वित्तपोषण में पर्याप्त वृद्धि पर ज़ोर दिया गया है, जिसमें बिलियन डॉलर से ट्रिलियन डॉलर के "क्वांटम जंप" अर्थात् काफी बड़े बदलाव का आह्वान किया गया है।
    - यह विकासशील देशों के लिये वर्ष 2030 से पहले की अवधि में 5.8-5.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने हेतु स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिये प्रतिवर्ष 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- **भारत का सांस्कृतिक प्रदर्शन:**
    - **भारत मंडपम (अनुभव मंडपम** से प्रेरित)।
    - **भगवान नटराज** की कांस्य प्रतिमा **(चोल शैली)।**
    - ओडिशा के सूर्य मंदिर का कोणार्क चक्र **और** नालंदा विश्वविद्यालय **की छवि (प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि के रूप में प्रयुक्त)।**
    - तंजावुर पेंटिंग और ढोकरा कला।
    - बोधि वृक्ष के नीचे स्थापित **भगवान बुद्ध** की पीतल की मूर्ति।
    - विविध **संगीत विरासत (हिंदुस्तानी, लोक संगीत, कर्नाटक**, भक्ति)।
- **G20 अध्यक्षता में परिवर्तन:**
    - भारत के प्रधानमंत्री ने **ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इंसियो लूला दा सिल्वा को G20 अध्यक्ष का** पारंपरिक उपहार सौंपा, जिन्हें 1 दिसंबर, 2023 को आधिकारिक तौर पर इसकी अध्यक्षता प्राप्त हो जाएगी।

G20 शिखर सम्मेलन 2023 में नवीनतम भारत-अमेरिका सहयोग:

- **लचीली** सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला **और दूरसंचार बुनियादी ढाँचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी प्रौद्योगिकी साझेदारी को मज़बूत कर रहे हैं।**
- भारत चीनी दूरसंचार उपकरणों के उपयोग को कम करने की प्रक्रिया के साथ तालमेल बिठाते हुए अमेरिका के**'रिप एंड रिप्लेस' पायलट प्रोजेक्ट** का समर्थन करता है।
- **भारत और अमेरिका ने अंतरिक्ष एवं** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) **जैसे नए तथा उभरते क्षेत्र में विस्तारित सहयोग के माध्यम से भारत-अमेरिका प्रमुख रक्षा साझेदारी को मज़बूत और विविधतापूर्ण बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।**
- GE F-414 जेट इंजन समझौता:
    - अमेरिका ने हाल ही में भारत में **GE F-414 जेट इंजन** निर्माण के लिये **जनरल इलेक्ट्रिक एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)** के बीच एक वाणिज्यिक समझौते हेतु अधिसूचना प्रक्रिया पूरी की।
    - यह समझौता अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग में एक बड़ा कदम है, जो अपनी घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिये भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

जी–20

- एशियाई वित्तीय संकट के बाद वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिये **वर्ष 1999 में स्थापित**
- **स्थायी सचिवालय नहीं**
- **सदस्य:** 19 देश और यूरोपीय संघ (EU)
- **स्थायी अतिथि देश:** स्पेन
- G20 **शिखर सम्मेलन:** प्रतिवर्ष आयोजित होता है
- **2023 की अध्यक्षता:** भारत (**थीम** – एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य)
- **शेरपा:** ये G20 देशों के प्रतिनिधियों के रूप में कार्यावली एवं कार्यों का समन्वय करते हैं
- **ट्रोइका:** अध्यक्षता ट्रोइका द्वारा समर्थित है (ट्रोइका शब्द का इस्तेमाल पूर्व, वर्तमान और भविष्य की अध्यक्षता के संदर्भ में किया जाता है)

Drishti IAS

https://www.youtube.com/watch?v=dbgGV5-TrdE&pp=ygUMRy0yMCBkcmlzaHRp

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

???????????:

प्रश्न. नम्निलखिति में से कसि एक समूह में चारों देश G-20 के सदस्य हैं? (2020)

(a) अर्जेंटीना, मेक्सकिो, दक्षणि अफ्रीका और तुर्की
(b) ऑस्ट्रेलयिा, कनाडा, मलेशयिा और न्यूज़ीलैंड
(c) ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वयितनाम
(d) इंडोनेशयिा, जापान, सगिापुर और दक्षणि कोरयिा

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/18th-g20-summit-in-new-delhi